महत्वपूर्ण एवं खास

पति के सामने पत्नी और बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गया (आरएनएस)। बिहार के गया जिले में एक बेहद ही शर्मनाक घटना सामने आयी है। यहां अपराधियों ने मोटरसाइकिल से जा रहे एक व्यक्ति को बंधक बना उसके सामने उसकी पत्नी और बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, गया जिले के कोंच थाना क्षेत्र में गुरारू-अहियापुर स्टेट हाई वे 69 से जुड़ी एक सड़क मार्ग में बुधवार की रात गुरारू बाजार से मोटर साईकिल से अपनी पत्नी व बेटी के साथ गांव जा रहे थे। इस दौरान करीब एक दर्जन की संख्या में रहे अपराधियों ने पति का हाथ पैर बांध कर बंधक बना लिया और उसके सामने ही पत्नी व बेटी को सामूहिक रूप से अपनी हवस का शिकार बनाया। रात्री के करीब नौ बजे घटी उक्त घटना ने पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी है। एसएसपी राजीन मिश्रा, टिकारी डीएसपी नागेन्द्र सिंह, शेरघाटी डीएसपी मनीष कुमार सिन्हा व एसपी अभियान ने रात भर गुरारू थाना में कैम्प कर दोषियों को पकड़ने के लिए कई जगह छापामारी की। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास के कई गांवों से काफी संख्या में संदिग्धों को उठाया है। इनसे कड़ाई से पुछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त घटना को अंजाम देने वाले अपराधी घटना स्थल पर पहले से ही दो और राहगीरों को हाथ पैर बांध कर रखे हुए थे। पुलिस उक्त राहगीरों से भी थाना में पुछताछ कर रही है।

भूकंप के 2 झटकों से दहशत में लोग

उत्तरकाशी (आरएनएस)। सुबह उत्तरकाशी जिले की गंगा और यमुनाघाटी में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। आनन फानन लोग घरों से बाहर निकल गए। कहीं किसी नुकसान की सूचना नहीं है। उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से जोन आठ में है। यहां पहले भी बड़े भूकंप आ चुके हैं। उत्तरकाशी के लोग वर्ष 1991 में आए विनाशकारी भूकंप को अभी भूले नहीं हैं। उस दौरान करीब सात सौ लोगों की मौत हो गई थी। यहां हाल ही में छह जून को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हालांकि उस दिन केंद्र टिहरी जनपद था, इसकी तीव्रता ज्यादा नहीं थी। आज सुबह करीब 6.12 बजे भूकंप के पहला झटका महसूस किया गया। इससे लोग घरों से बाहर निकल गए। इसके बाद 6 बजकर 23 मिनट पर दूसरा झटका महसूस किया गया। आपदा प्रबंधन केंद्र के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 4.0 आंकी गई। इसका केंद्र उत्तरकाशी मुख्यालय से दस किलोमीटर दूर था। इसका अक्षांश 30.8 एन, देशान्तर 78.2 ई और गहराई 10 किमी रही। मामूली तीव्रता के इस भूकंप से लोग दहशत में आ गए।

अनशन पर बैठे केजरीवाल के मंत्री की चौथे दिन तबीयत खराब

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली पिछले तीन दिन से अधिक समय से धरना-प्रदर्शन में तब्दील है। पहले विपक्ष अपनी मांगें मनवाने और दबाव बनाने के लिए धरना-प्रदर्शन का सहारा लेता था, लेकिन दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी (AAP) इस परिपाटी को बदलते हुए धरना-प्रदर्शन पर उतर आई है। पिछले तीन दिन से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत तीन कैबिनेट मंत्री उपराज्यपाल अनिल बैजल के खिलाफ के खिलाफ उनके ही निवास पर धरना दे रहे हैं। जहां केजरीवाल का एलजी के खिलाफ धरना चौथे दिन में प्रवेश कर गया है। वहीं मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने भी सीएम के खिलाफ उनके घर पर धरना तेज कर दिया है। सीएम के आवास पर भाजपा के धरने का बृहस्पतिवार को दूसरा दिन है। सीएम केजरीवाल ने बृहस्पतिवार सुबह फिर ट्वीट कर संदेश दिया है कि एलजी के खिलाफ उनकी जंग जारी रहेगी। उन्होंने सुबह ट्वीट किया- 'आखिर दिल्ली वाले क्या मांग रहे हैं।' 1. IAS अफसरों की हड़ताल खत्म करो।2. राशन की डोरस्टेप डिलिवरी लागू करो। नहीं होना चाहिए ये दुनिया में कोई कह सकता है कि ये नहीं होना चाहिए फिर ये लोग क्यों नहीं कर रहे आज चौथा दिन है। इनकी मंशा ठीक नहीं लग रही। वहीं, मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का बृहस्पतिवार सुबह रुटीन मेडिकल चेकअप हुआ।

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ से मची तबाही, केरल में 3 की मौत, कई लापता

अगरतला (आरएनएस)। दक्षिणी पश्चिम मानसून पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्से तक पहुंच गया है। भारी बारिश से त्रिपुरा और मिजोरम के कई इलाके डूब गए हैं। त्रिपुरा में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। घर और धान के खेत डूब गए हैं। अधिकांश नदियों का बहाव खतरे के निशान को पार कर गया है। भूस्खलन से त्रिपुरा और मिजोरम में यातायात पर बुरा प्रभाव पड़ा है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी हिस्से का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने निचले इलाके के लोगों से सुरक्षित स्थानों या राहत कैंपों में चले जाने का आग्रह किया है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने बाढ़ के हालात से निपटने के लिए गृह मंत्री राजनाथ सिंह से मदद मांगी है। केंद्र सरकार से अनुरोध कर तत्काल सैन्य सहायता और बचाव दल की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दल को बढ़ाने का अनुरोध किया है।

फर्जी एफ.आई.आर. रद्द करने की मांग

- सामाजिक न्याय संघ ने समस्त साक्ष्यों को किया प्रस्तुत
- फर्जी एफ.आई.आर. पर हुई सामाजिक न्याय संघ के आवेदन पर हुई जांच पर पुलिस के अनुविभागीय अधिकारी सारंगढ़ ने जारी किए निर्देश
- शिकायतकर्त्ता ने प्रस्तुत किए एफिडेविट

रायगढ़, शुक्रवार 6 अप्रैल 2018 | रायगढ़ /आसपास | न्याय साक्षी | 08

महत्वपूर्ण एवं खास

फर्जी शिकायत पर पुलिस डाटा सहायक को कर रही है प्रताड़ित

पीड़ित ने सामाजिक न्याय संघ से लगायी मदद की गुहार

न्याय साक्षी फॉलोअप

रायगढ़। मामला यह है कि आवेदक विद्याशंकर उरांव आ. फगुलाल उरांव, उम्र 27 वर्ष लगभग, निवासी ग्राम सरिया, पो. सरिया, थाना सरिया, तहसील बरमकेला, रायगढ़, जिला रायगढ़, छ.ग., ने अपने सामाजिक न्याय संघ को प्रदत्त अपने आवेदन में कहा है कि, मैं कार्यालय चिकित्साधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरिया जिला रायगढ़, छ.ग. में प्राथमिक लेखा एवं डाटा सहायक के पद पर नियुक्त हूं। दिनांक 01/12/2017 को परसरामपुर रोड पर, एक व्यक्ति का एक्सीडेंट हुआ था, विदित हो कि एक मोटर सायकिल के सवार द्वारा एक ट्रेक्टर को टक्कर मारी गई थीं, जिसमें मोटर साईकिल सवार को सामान्य चोट आई थीं। यह बात हमें इसलिए ज्ञात है क्योंकि मैं स्वयं वहीं का स्थाई निवासी हूं। उक्त एक्सीडेंट की तब कोई रिपोर्ट नहीं की गई, ना ही कोई तत्कालिक ऐक्शन किया गया था, काफी दिनों बाद 09/03/2018 को मुझे मेरे परिचित पुलिस वाले राजेश उरॉव द्वारा फोन पर बताया गया कि मेरे नाम से रिपार्ट दर्ज हो रही है, मैं हड़बड़ाया कि क्यो? किस सम्बंध में? मैने क्या किया? तब उसने बताया कि उक्त दिन जो एक्सीडेंट हुआ है, वो तुमने किया है?, इस सम्बंध में थाने में एक पत्र आया है, जिसके बाद मैंने कहा कि वो पत्र मुझे भेज दो तो उसने कहा कि नहीं भेज सकता आप आ के देख लो। उसके बाद मैं थाना गया मैंने वो कागज देखा, उस कागज में मेरे नाम का उल्लेख तक नहीं है (उक्त सम्बंधित दस्तावेज आपके समक्ष पूर्व में प्रस्तुत किया गया है)। मैंने कहा कि मैं उक्त दिनॉक को घटनास्थल पर नहीं था, अपने कर्तव्य पर था, और इस पत्र में मेरा नाम नहीं है, आवेदक ने तब पुलिस के कहा कि, सर! मुझे क्यों फर्जी फसा रहे हैं, तो उन्होने कहा कि हम तो एफ.आई.आर. लॉज कर रहें हैं, आप न्यायालय जा के निपटो। उसके बाद से मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, मेरे घर आकर जबरदस्ती पुलिसवाले ट्रैक्टर की फोटो खींच के ले गए, मेरे पिता को धमकाए कि लड़का फंस रहा है, चार-पॉच लाख रुपये तैयार रखों,देना तो पड़ेगा, केस हो गया है, थाना चलों आदि-आदि। आवेदक ने कहा कि, उक्त समस्त बातों और फर्जी रुप से फंसाए जाने से मैं और मेरा परिवार बेहद कष्ट में है, जबकि मै उक्त दिनॉक को घटना के समय अपने कार्यस्थल पर कार्य पर उपस्थित था, उक्त सम्बंधित दस्तावेज आपके समक्ष पूर्व में प्रस्तुत आवेदन के साथ प्रस्तुत किया गया है। आवेदक ने कहा कि, मैं अनुसूचित जनजाति का सदस्य हूँ, मुझे अन्यथा परेशान किया जा रहा है, अतः इस सम्बंध में मैं न्यायालयीन कार्यवाही भी चाहता हूं।

सामाजिक न्याय संघ ने करवाई कार्यवाही :

सामाजिक न्याय संघ को पूर्व में दिए आवेदन पर कार्यवाही हुई और प्रकरण माननीय राज्यपाल महोदय एवं पुलिस के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया, जिस पर श्रीमान् पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सारंगढ़ जिला रायगढ़ छ.ग. द्वारा जांच की गई।

क्या है जारी निर्देश ?

जिस पर उनके द्वारा थाना सरिया के अप.क्र. 74/18 धारा 279,337 ताहि के सम्बंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसे सूचना के अधिकार के तहत् आवेदक द्वारा प्राप्त किया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि -

1/ पुलिस थाना सरिया द्वारा उक्त प्रकरण को पंजीबद्ध किए जाने के पूर्व घटना स्थल के आस-पास के लोगों, जिनके द्वारा घटना देखी गई है, का कथन नहीं लिया है।

2/ उक्त प्रकरण को पंजीबद्ध किए जाने के पूर्व उस व्यक्ति का कथन नहीं लिया है, जिसने घटना बाद आहत रमेश कुमार की मोटरसाईकिल को उठाया और थाना पहुंचाया।

3/ उक्त प्रकरण को पंजीबद्ध किए जाने के पूर्व उस व्यक्ति का कथन नहीं लिया है जिसने आहत को अस्पताल पहुंचाया, और यह भी अपने द्वारा पंजीबद्ध प्रकरण में उल्लेख नहीं किया है कि किस साधन से उसे अस्पताल पहुंचाया गया?

4/ उक्त प्रकरण को पंजीबद्ध किए जाने के पूर्व आहत रमेश कुमार का मोबाईल लोकेशन भी नहीं लिया गया जिससे स्पष्ट नहीं हो रहा कि वह घटनास्थल पर था कि नहीं?

5/ उक्त प्रकरण को पंजीबद्ध किए जाने के पूर्व घटना के सम्बंध में कोई पूछताछ आसपास नहीं की और ना ही कोई साक्ष्य सूची प्रस्तुत की है।

6/ पुलिस थाना सरिया को श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सत्यता की जांच करने को निर्देशित किया है। जिससे स्पष्ट है कि, आवेदक के विरुद्ध फर्जी प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, जो कि निरस्त किए जाने योग्य है।

सामाजिक न्याय संघ ने पुनः भेजा है प्रकरणः श्रीमान् राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री महोदय, पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, रायगढ़, थाना प्रभारी, थाना सरिया, को प्रकरण भेजा गया है।

उक्त सम्बंध में पूछे जाने पर सामाजिक न्याय संघ ने कहा कि हॉ, निर्देश जारी किए गए हैं, जांच में जो कमियां पाई गई हैं। वैसे माननीय उच्च-न्यायालय के समक्ष आवेदन किया जा चुका है, जो कि एडमिट हो चुका है।

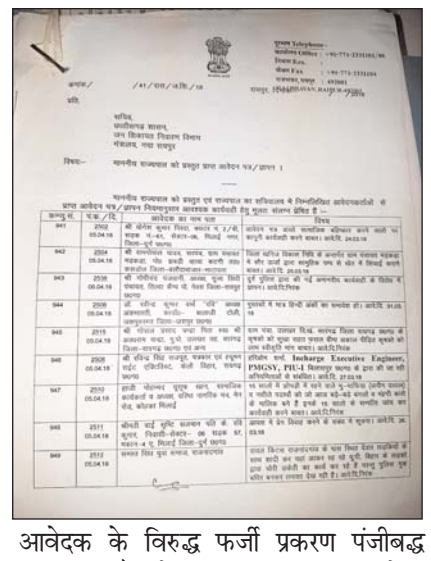

टॉस्क फोर्स समिति की बैठक 23 जून को

रायगढ़। कलेक्टर श्रीमती शम्मी आबिदी की अध्यक्षता में 23 जून को पूर्वान्ह 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खनिज विभाग की टॉस्क फोर्स समिति की बैठक आहूत की गई है। सर्वसंबंधितों को नियत तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु कहा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को

रायगढ़। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जिला स्तर, विकास खण्ड स्तर, नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाएगा। इस संबंध में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अलग-अलग तिथियों में योग प्रशिक्षण दिया जाएगा जिनमें 14 जून को जिला स्तर पर, 15 जून को विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय स्तर पर, 16 एवं 17 जून को ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा 21 जून को योग दिवस पर सभी स्तरों पर योग कार्यक्रम का आयोजन होगा।

पुलिस कंट्रोल रूम में ली गई शांति समिति की बैठक

रायगढ़। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने आज पुलिस कंट्रोल रूम में जिले में आगामी 16 जून 2018 को ईद-उल-फितर पर्व शांति एवं भाईचारे के साथ मनाये जाने के लिए शांति समिति की बैठैक ली। सी. एस. पी. सिद्धार्थ तिवारी एवं उपर कलेक्टर एस. आर. अहिरवार ने ईद का पर्व शांति और हर्ष उल्लास के साथ मनाये जाने की अपील की है, इस अवसर पर नगर निगम के सभापति सलीम नियारिया, रायगढ़ एस.डी. एम. भागवत जायसवाल नगर निगम के आयुक्त विनोद पांडे क्रनिसार अली, शाह नवाज खान, दीपक पाण्डेय, महेश्वर मिश्रा, शेख ताजिम, अली हुसैन, नासिर अहमद एवं शांति समिति के सदस्यगढ़ उपस्तिथ थे।

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र की

खरसिया,सारंगढ़, पुसौर, तमनार,घरघोड़ा, धरमजयगढ़, पत्थलगांव लुड़ेग, कांसाबेल, कुनकुरी, जशपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में एजेंसी देना है, तत्काल संपर्क करें।

स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़, छ.ग. संपर्क करें मो.नं. 9039961090

CMYK